SEMESTER I

I. MAJOR COURSE –MJ 1: (Credits: Theory-06)

Marks: 25 (5 Attd. + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) = 100	Pass Marks: Th (SIE + ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा (SIE 20+5=25 marks):

20 अंको की मध्य छमाही परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में दो में से किसी एक 10 अंको के वर्णनात्मक प्रश्न का उत्तर देना होगा।

उपस्थिती आधारित पाँच अंक देने का प्रारूप: (उपस्थिती 45% तक, 1 अंक; 45%< उपस्थिती<55%, 2 अंक; 55%< उपस्थिती <65%, 3 अंक; 65%< उपस्थिती <75%, 4 अंक; 75%< उपस्थिती, 5 अंक)

छमाही परीक्षा (ESE 75 marks):

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' से 15 अंको के छः में से किन्हीं चार वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

सैद्धान्तिक: **90** व्याख्यान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा – :

1. विद्यार्थी 11वीं शताब्दी से लेकर मध्यकाल के पूर्वार्द्ध तक के सामाजिक,सांस्कृतिक ,राजनीतिक सन्दर्भ का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिंदी साहित्य के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
3. हिंदी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।
4. हिंदी के भावगत, भाषागत और शैलीगत विकास से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई 1 – हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्येतिहास में काल विभाजन और नामकरण की समस्या।

इकाई 2 – आदिकाल का नामकरण और कालसीमा, आदिकालीन काव्य -

प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य ,नाथ साहित्य, रासो काव्य परम्परा, पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।

प्रमुख रचनाकार – विद्यापति, अमीर खुसरो

इकाई 3 –भक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि, भक्तिकाव्य की प्रवृत्तियाँ, संतकाव्य परम्परा, सूफीकाव्य परम्परा, कृष्णकाव्य परम्परा, रामकाव्य परम्परा। प्रमुख कवि- कबीरदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा

अनुशंसित पुस्तकें -:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र ((सं)
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपति चंद्र गुप्त
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
6. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
7. साहित्य और इतिहास – सुखदा पाण्डेय
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
9. हिंदी साहित्य का अतीत – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ. नामवर सिंह
11. तुलसीदास – डॉ. नन्द किशोर नवल
12. तुलसी – उदय भानु सिंह
13. लोकवादी तुलसीदास – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
14. तुलसीदास –माता प्रसाद गुप्त
15. गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
16. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – डॉ. मैनेजर पाण्डेय
17. सूर की काव्य चेतना –बलराम तिवारी
18. सूरदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
19. कबीर एक नयी दृष्टि – डॉ. रघुवंश
20. कबीरदास विविध आयाम – प्रभाकर श्रोत्रिय(सं.)
21. कबीर का महत्व – हरिश्चंद्र अग्रवाल
22. जायसी एक नयी दृष्टि – डॉ. रघुवंश
23. जायसी –विजय देव नारायण साही

SEMESTER II

I. MAJOR COURSE- MJ 2: (Credits: Theory-06)

Marks: 25 (5 Attd. + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) = 100	Pass Marks: Th (SIE + ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा (SIE 20+5=25 marks):

20 अंको की मध्य छमाही परीक्षा में प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें दो प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' में दो में से किसी एक 10 अंको के वर्णनात्मक प्रश्न का उत्तर देना होगा।

उपस्थिती आधारित पाँच अंक देने का प्रारूप: (उपस्थिती 45% तक, 1 अंक; 45%< उपस्थिती<55%, 2 अंक; 55%< उपस्थिती <65%, 3 अंक; 65%< उपस्थिती <75%, 4 अंक; 75%< उपस्थिती, 5 अंक)

छमाही परीक्षा (ESE 75 marks):

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में पाँच अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' से 15 अंको के छः में से किन्हीं चार वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल एवं आधुनिक काल)

सैद्धान्तिक: **90** व्याख्यान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा – :

1. विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 17वीं से 19वीं शताब्दी के मध्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. इस काल के साहित्यकार और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
3. इस काल के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
4. इससे सृजन के काव्यरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
5. इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
6. भारतेंदु युग से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों एवं परिवेश से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
7. विद्यार्थी राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से परिचित हो सकेंगे।
8. छायावाद काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना

इकाई-1. रीतिकाल का नामकरण और कालसीमा, रीतिकालीन परिस्थितियाँ, रीतिकाल की प्रवृतियाँ, रीतिकालीन काव्यधाराएँ, रीतिकाल के कवि, चिंतामणि, मतिराम, बिहारी, घनानंद, पद्माकर, भूषण का परिचय।

इकाई-2. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, हिंदी गद्य का विकास, भारतेंदु युग, द्विवेदी युग ।

इकाई -3.आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृतियाँ –भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद युग।

निर्धारित कवि और कविताएँ :

1. भारतेंदु- गंगा वर्णन।
2. मैथिलीशरण गुप्त – मातृभूमि।
3. जयशंकरप्रासाद– हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, बीती विभावरी जाग री।
4. निराला – भिक्षुक, भारती वंदना।
5. पंत- प्रथम रश्मि, नौका विहार, ताज।
6. महादेवी वर्मा- मैं नीर भरी दुःख की बदली, मधुर- मधुर मेरे दीपक जल।

अनुशंसित पुस्तकें -:

1. काव्य कुसुम (सं.) - डॉ. हीरानंदन प्रसाद, डॉ. जितेंद्रकुमार सिंह, डॉ. सुनीता कुमारी गुप्ता
2. हिंदी साहित्य का इतिहास –आ. रामचन्द्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य का इतिहास –सं.डॉ. नगेन्द्र
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास –डॉ. गणपति चंद्रगुप्त
5. हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –डॉ. बच्चन सिंह
7. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास –डॉ. बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य का इतिहास – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ. नगेन्द्र
10. हिंदी रीतिकाव्य –डॉ. भगीरथ मिश्र
11. बिहारी का नया मूल्यांकन-डॉ.बच्चन सिंह
12. बिहारी बोधिनी –लाला भगवानदीन
13. घनानंद का काव्य –डॉ.रामदेव शुक्ल
14. स्वर्ण मंजूषा – नलिनविलोचन शर्मा, केशरी कुमार (सं)
15. आधुनिक हिंदी काव्य प्रवृतियाँ –डॉ.नामवर सिंह
16. कविता के नए प्रतिमान –डॉ.नामवर सिंह
17. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास –डॉ. नंदकिशोर नवल
18. कविता के आर पार – डॉ. नंदकिशोर नवल
19. ज्योति विहाग - डॉ. शांतिप्रिय द्विवेदी
20. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण –डॉ.रामविलास शर्मा
21. छायावाद की प्रासंगिकता-रमेशचंद्र शाह

COURSES OF STUDY FOR **INTRODUCTORY/ MINOR ELECTIVE** FYUGP IN **"HINDI"**

SEMESTER I/ II/ III **INTRODUCTORY REGULAR COURSE** **1 Paper**

I. आरंभिक नियमित पाठ्यक्रम

(Credits: Theory-02)

- All Four Introductory & Minor Papers of Hindi to be studied by the Students of **Other than Hindi Major.**
- Students of **Hindi Major** must Refer Content from the **Syllabus of Opted Introductory & Minor Elective Subject**.

Marks : 100 (ESE 3Hrs) =100	**Pass Marks Th ESE = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

छमाही परीक्षा (ESE 100 marks):

प्रश्नों के दो समूह होंगे। खण्ड 'A' अनिवार्य है जिसमें तीन प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 1 में दस अत्यंत लघु उत्तरीय 1 अंक के प्रश्न होंगे। प्रश्न संख्या 2 व 3 लघु उत्तरीय 5 अंक का प्रश्न होगा। खण्ड 'B' से 20 अंको के छः में से किन्हीं चार वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

नोट : सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।

परिचयात्मक हिंदी

सैद्धान्तिक**: 90** व्याख्यान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा – :

1. उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थी सम्पूर्ण मानव जगत की मानवीयता से परिचित होंगे।
2. उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थी, जीवन की वास्तविकता से परिचित होंगे।
3. उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक विचार और सृजन धर्म का विकास होगा।
4. विद्यार्थियों को भाषा के स्वरूप और महत्त्व का ज्ञान प्राप्त होगा ।
5. विद्यार्थी भारत को एक सूत्र में बाँधने वाली हिंदी भाषा की विविध बोलियों से परिचित हो सकेंगे ।
6. विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की शारीरिक इकाइयों दृश्य ,ध्वनि ,शब्द ,वाक्य आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा ।

प्रस्तावित संरचना

इकाई-01- महाभोज – मन्नू भंडारी

इकाई-02- राजभाषा हिंदी, राष्ट्रभाषा हिंदी, भाषा और बोली, समाचार लेखन, सम्पादकीय लेखन।

अनुशंसित पुस्तकें -:

1. मन्नू भंडारी का रचनात्मक अवदान- सं. सुधा अरोड़ा
2. हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ. गोपाल राय
3. उपन्यास की समकालीनता- ज्योतिष जोशी
4. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि- डॉ.देवेन्द्र प्रसाद सिंह
5. राष्ट्रभाषा हिंदी: समस्याएँ और समाधान- आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
6. राष्ट्रभाषा और हिंदी – आ. शिवपूजन सहाय
7. मीडिया माफिया –डॉ. अर्जुन तिवारी
8. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता - डॉ. अर्जुन तिवारी
9. हिंदी पत्रकारिता - पंडित कृष्ण बिहारी मिश्र
10. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम- डॉ. देवेन्द्र प्रताप वैदिक
11. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम – डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह, डॉ.नीकु कुमारी